

२७<sup>०४</sup>  
२५

पत्रावली बेश हुई। वडुलायन फरीकन उप०।  
 हाथीया स्वयं उप०। अत्रिआयक हाथीया उप०।  
 आज यह पत्रावली हाथीया द्वारा स्वयं उप०।  
 होकर विडों करने के निवेदन पर केशी में  
 ही गयी। हाथीया हमीदन द्वारा निवेदन  
 किया गया कि वह सक्रण आगे चलाना  
 नहीं चाहती अतः हा० पत्र जरिए विडों  
 आरिज प्रस्तावा जावे।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। हाथीया  
 द्वारा हा० पत्र २१२ आरटीए व हा० पत्र से  
 संबंधित वाद पत्र विडों किए जाने का निवेदन  
 किया है। हा० पत्र से संबंधित वाद पत्र विडों  
 किया जा चुका है अतः हा० पत्र २१२ आरटीए  
 हा० पत्र २१२ आरटीए शेष नहीं बची है।  
 अतः हा० पत्र २१२ आरटीए जरिए विडों इसी  
 स्तर पर आरिज किया जाता है। पत्रावली  
 कुशल शुमार होकर बाद तस्वीर। तस्वीर  
 दायिल २५ फर है।

रहियार  
 १०/०४/०४  
 वदन २०  
 २४